

14.6.18

पञ्जावली न्याय आयोग द्वारा 2018 में जटल सेवा
केन्द्र श्रीरामपुरा फेरा हुई। जाही उपस्थित है।
मजसे आम में जाही को एवं उपस्थित जन को
सुना गया, पञ्जावली में उपस्थित दर्तावेनाह
का अवलोकन किया गया, जाही ने अपना जनम
वर्ष 1963 में होना बताया है और आंकटा रि०
27-11-64 को हुआ है इस प्रकार 1 वर्ष के बच्चे को
आवरन होना न्यायोचित नहीं होता है।

शुद्धागत आरक्षी आवरन जाही द्वारा दिनांक
27-11-64 को किया गया है जाही द्वारा जिन कारणों
से दुकली जाही गई है मुलाबक रिकार्ड साबित
नहीं होती है। दरकार को जाही के मा० सं० 66
दि० 1-12-64 से रिकार्ड में समल किया गया।
एवं फुल्लेया वादवास्तु आरक्षी के आंकटा के
पत्रादि का परीक्षण कर इस सबकी पुष्टी करनी
आवरन रि० 27-11-64 को दरकार पुष्ट करनी

दिनांक आज्ञा या
कार्यवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

गणित विरोधी रुढ़ि में क्या या नहीं यदि धरुण
पुत्र हनुजी नाम का व्यक्ति नहीं होना पाया जावे
ले उक्त आंकड़ों को नियम 14(4) के तहत
कार्यवाही प्रस्तावित करें। वही का वाद उपरोक्त
विवेचन के आधार पर साक्ष्य प्रस्तुत होने
से रखा कि या गया। पञ्जाबली फौजल शुमार
होकर इन नम्बर से कर हो। उम्मीद है कि आप
में सुनाया गया।

उप खण्ड कार्यवाही
साँभर लोक